भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 1960
12/12/2024 को उत्तर दिए जाने के लिए

क्लाउड सीडिंग

1960. श्री एस निरंजन रेड्डी:

क्या पृथ्वी विज्ञान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्लाउड सीडिंग को शासित करने वाले विनियमों का ब्यौरा क्या है;
(ख) क्या सरकार की क्लाउड सीडिंग के लिए कोई नीति शुरू करने की योजना है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है, यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं; और
(ग) क्या सरकार ने क्लाउड सीडिंग से पर्यावरण पर पड़ने वाले अल्पकालिक और दीर्घकालिक प्रभावों पर कोई अध्ययन कराया है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क) - (ग) वर्तमान वैज्ञानिक ज्ञान से पता चलता है कि क्लाउड सीडिंग से जुड़ी कृत्रिम वर्षा-निर्माण तकनीक का उपयोग वर्षा की कमी वाले/सूखाग्रस्त क्षेत्रों में बारिश लाने के विकल्प के रूप में नहीं किया जा सकता है। भारतीय उष्णदेशीय मौसम विज्ञान संस्थान (IITM) द्वारा भारत में पश्चिमी घाट पर्वतों के वर्षा-छाया क्षेत्र पर एक वैज्ञानिक जांच की गई, जिसे "क्लाउड एरोसोल इंटरैक्शन और वर्षा संवर्धन प्रयोग (CAIPEEX)" नामक एक कार्यक्रम नाम दिया गया। उपर्युक्त कार्यक्रम के तहत भारतीय क्षेत्र में एरोसोल-क्लाउड इंटरैक्शन और वर्षा निर्माण का अध्ययन किया गया है। वैज्ञानिक निष्कर्ष और इसके परिणाम विभिन्न वैज्ञानिक पत्रिकाओं में प्रस्तुत किए गए हैं।

*****